

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं∘ 141]

नई दिल्ली, बृहस्पतिबार, मार्च 7, 1996/फाल्गुन 17, 1917 NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 7, 1996/PHALGUNA 17, 1917

No. 141

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

अधिसुचना

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1996

का॰ आ॰ 169 (अ). — केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन सदर्न गुजरात कॉटन डीलर्स एसोसिएशन, सूरत द्वारा मान्यता के नवीनीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास (अहस्तांतरणीय) विशिष्ट सुपुर्दगी में अग्रिम संविदा के बारे में 31 जुलाई, 1995 से 31 जुलाई, 1997 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की अग्रिम अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं ।

> [मिसिल स्ं 12/15/आई टी/93] अशोक कपुर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION NOTIFICATION

New Delhi, the 7th March, 1996

- S. O. 169 (E).—The Central Government having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Southern Gujarat Cotton Dealers' Association, Surat, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition of the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1995 to the 31st July, 1997 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/15/IT/93] ASHOK KAPUR, Jt. Secy.

525 GI/96